

इक्विटी का दर्जा चाहें रीट्स

निवेशकों का आधार बढ़ाने का इरादा, ज्यादा बैंक उधारी की भी मांग, उद्योग निकाय की सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक से चर्चा जारी

अभिषेक कुमार
मुंबई, 20 मार्च

निधमन में बदलाव के लिए रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट्स) नियामकीय निकायोंसेबी और आरबीआई के साथ बातचीत कर रहे हैं जिससे कि पूंजी तक उनकी आसान पहुंच आसान हो सके। उद्योग निकाय द इंडियन रीट्स एसोसिएशन ने कहा है कि इक्विटी परिसंपत्ति के तौर पर वर्गीकृत करवाने के लिए उसने बाजार नियामक से संपर्क किया है। इससे इक्विटी सूचकांकों में उनके प्रवेश की राह खुलेगी और म्युचुअल फंडों भी आसानी से निवेश कर सकेंगे। एसोसिएशन आरबीआई के साथ भी सक्रियता से चर्चा कर रहा है ताकि बैंकों को रीट्स को उधार देने के लिए उजाजत मिले। अभी वे ज्यादातर उधारी बॉन्डों के जरिये या एनबीएफसी से जुटाते हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों से उधारी मिलने पर उन्हें उधारी लागत घटाने में मदद मिलेगी।

एम्बेसी रीट के सीईओ और इंडियन रीट्स एसोसिएशन के चेयरपर्सन अरविंद मैया ने कहा कि हमारे एजेंडे में तीन मसले हैं। पहला, आरबीआई के साथ बातचीत करके रीट्स के लिए बैंकों से उधारी हासिल करना और दूसरा, इक्विटी



रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स की दलील

■ इक्विटी के वर्गीकरण से रीट्स को इक्विटी सूचकांकों में शामिल किया जा सकेगा

वर्गीकरण पर स्पष्टता। इसके बाद नकदी में इजाफे के लिए सूचकांकों में उन्हें भी शामिल किया जाए। तीसरा, निवेशकों के शिक्षित करना। इंडियन रीट्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि रीट्स को इक्विटी के तौर पर वर्गीकृत करने से निवेशकों के सामने ज्यादा स्पष्टता होगी और ऐक्टिव व पैसिव म्युचुअल फंडों के जरिये निवेश का नया रास्ता भी खुलेगा।

ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट के एमडी व सीईओ आलोक अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर रीट्स को आमतौर पर इक्विटी

■ इससे ज्यादा निवेश आएगा, एक्सचेंजों पर तरलता बेहतर होगी

के तौर पर वर्गीकृत किया जाता है। वहां तिमाही या छमाही भुगतान होता है लेकिन यह अंतर्निहित परिसंपत्तियों के प्रदर्शन पर निर्भर होता है। साथ ही पूंजी में भी इजाफा होता है। यह एक तरह से इक्विटी की तरह ही है। इसलिए रीट्स को इक्विटी के तौर पर वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

अभी ऐक्टिव फंड योजनाओं को रीट्स व इनविट्स में निवेश को लेकर कुछ छूट मिली हुई है। ऐसी कई योजनाएं हैं जिनमें इन परिसंपत्ति वर्गों के कुल कोष का 10 फीसदी तक निवेश का प्रावधान है।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 90 अंक चढ़ा

वैश्विक बाजारों के मजबूत रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और एसबीआई के शेयरों में लिवाली से बुधवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, रुपये में गिरावट और छोटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव से बाजार का लाभ सीमित रहा।

अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 89.64 अंक यानी 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ 72,101.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 72,402.67 अंक के ऊपरी स्तर और 71,674.42 अंक के निचले स्तर को भी छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और एशियन पेट्र्स प्रमुख रूप से बढ़त में रहें। दूसरी तरफ टाटा स्टील, ऐक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

जियोजित फाइनैशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ‘अनुकूल वैश्विक धारणा और मजबूत प्रत्यक्ष कोष संग्रह से उत्साहित भारतीय बाजार बढ़त में रहे। विदेशी कोषों के प्रवाह और घरेलू संस्थागत निवेशकों के मजबूत रुख ने बाजार में तेजी को रफ्तार दी।’

भाषा

कोटक बैंक के मण्यन व एकंबर के पदनाम के बदलाव को मंजूरी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 20 मार्च

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्णकालिक निदेशकों केबीएस मण्यन और शांति एकंबरम के पदनाम में बदलाव कर उन्हें क्रमशः संयुक्त प्रबंध निदेशक और उप-प्रबंध निदेशक के तौर पर नियुक्ति की मंजूरी दे दी। निजी क्षेत्र के बैंक ने बुधवार को यह ऐलान किया।

बैंक ने एक्सचेंजों को जानकारी दी है कि इसके मुताबिक मण्यन और एकंबरम मार्च से प्रभावी होगा और वे क्रमशः संयुक्त प्रबंध निदेशक और उप-प्रबंध निदेशक

होंगे। कोटक महिंद्रा बैंक ने पिछले महीने अपनी वरिष्ठ प्रबंधन टीम के पुनर्गठन की घोषणा की थी। इसके अलावा बैंक ने मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ), मुख्य वित्त अधिकारी (समूह) और मुख्य जोखिम अधिकारी (समूह) की नियुक्ति की भी घोषणा की है।

जनवरी में बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी के तौर पर अशोक वासवानी के कार्यभार संभालने के बाद नेतृत्व के स्तर पर यह पहला आम बदलाव है।

(डिस्कलेमर : कोटक फैमिली के नियंत्रण वाली इकाइयों की बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड में खासी हिस्सेदारी है)

39 करोड़ डॉलर था जब उसने मार्च 2022 में सी सीरीज की फंडिंग के तहत 6.5 करोड़ डॉलर जुटाए थे। फंडिंग के ताजा दौर के साथ अब तक पॉकेट एफएम की कुल फंडिंग 19.65 करोड़ डॉलर पर पहुंच गई है। पॉकेट एफएम के मुख्य कार्याधिकारी व सह-संस्थापक रोहन नायक ने कहा कि हम स्थिरता के साथ विकास कर रहे हैं। बीएस

<div> भारतीय कंटेनर लिमिटेड</div> <div>Container Corporation of India Ltd.</div>	
41 शेवार्डन मार्ग, कलकत्ता हाउस, 8वीं फ़ीस, कोलकाता 700017, दूरभाष 2283 7101-05	
ई-निविदा आमंत्रण सूचना	
आईओसीएल पारतीय टर्नमल में कंटेनर / कोनों के सर्वे के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान करने हेतु दो निविदा प्रणाली में ऑनलाइन खुली ई-निविदा-सह-रियर्स ऑनशन आमंत्रित किया जाता है।	
निविदा सं	कोन / एशिया-4 सर्व / पारतीय-आईडीबीसी 72024
कार्य का नाम	आईओसीएल पारतीय में कंटेनरों, कोनों का सर्व केवल ई-टेंडरिंग माध्यम से
अवगतिन लागत प्रविर्भ	र. 19.26.893 /- प्रविर्भ लगभग (जीएसटी सहित)
अनुबंध की अवधि	1+0 वर्ष
रकसावक की कीमत	र. 1000 /- सभी वर्ष एवं प्रसारों सहित ई-मुगलान के माध्यम से - अ-प्रतिदेय बरोवर जमा सधि
बैंक	र. 38.538 /- ई-मुगलान के माध्यम से
निविदा प्रक्रिया सूक्त	र. 1137 /- सभी कर एवं प्रसारों सहित (अ-प्रतिदेय) ई-मुगलान के माध्यम से
बिक्री की तिथि (ऑनलाइन)	22.03.2024 को 15:00 बजे से 12.04.2024 1600 बजे तक
ऑनलाइन निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	15.04.2024 को 15:00 बजे या उससे पूर्व
ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि एवं समय	16.04.2024 को 15:30 बजे।
कोनकोर बिना कोई कारण बताए किसी या सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार रखता है। पूर्ण विवरणों के लिए www.tenderwizard.com/CCL पर लॉग ऑन करें। शुद्धिपत्र / परिशिष्ट / संशोधन / स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई होगा, तो उसे केवल कोनकोर वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। निविदातरताओं से अनुरोध है कि वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें।	एशिया प्रमुख-एशिया-4

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड			
टाटा पावर एवं दिल्ली सरकार का संयुक्त उपक्रम			
रजि. ऑफिस : एनडीपीएल हाउस, हडसन लाइन, किंग्सफे केय, दिल्ली-110009			
फोन : 66112222, फैक्स : 27468042, ईमेल : TPDDL@tatapower-dcl.com			
CIN No. : U40109DL2001PLC111526, वेबसाइट : www.tatapower-dcl.com			
निविदा सूचना आमंत्रित			Mar 21, 2024
टाटा पावर-डीडीएल निम्न मदों के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है:			
निविदा पृष्ठताछ सं. कार्य का विवरण	अनुमानित लागत/बरोवर जमा राशि (₹)	बोली दर्तावेत की विधि	बोली जमा करने की अंतिम तारीख और समय/ निविदा खोलने की तारीख और समय
TPDDL/200001650/GNCTD/23-24 Empanelment of Vendors for Delhi DISCOMs for Roof Top Solar	N.A.	21.03.2024	10.04.2024;1500 Hrs/ 10.04.2024;1530 Hrs
शुद्धिपत्र /निविदा तिथि विस्तार			
निविदा पृष्ठताछ सं. कार्य का विवरण	पूर्व प्रकाशित दिनांक	संशोधित निविदा तिथि/बोली जमा करने की तिथि/बोली खोलने की तिथि	
TPDDL/ENGG/ENQ/200001625/23-24 Procurement Disk Based Data Domain Backup Appliance	11.01.2024	29.03.2024 at 1600 Hrs/ 29.03.2024 at 1630 Hrs	
TPDDL/ENGG/ENQ/200001640/23-24 Purchase of Laptops	28.02.2024	29.03.2024 at 1600 Hrs/ 29.03.2024 at 1630 Hrs	
सम्पूर्ण निविदा एवं शुद्धिपत्र दर्तावेत हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध			
website www.tatapower-dcl.com → Vendor Zone → Tender / Corrigendum Documents			
Contracts - 011-66112222			

पुनर्खरीद व लाभांश वाली फर्मों में निवेशकों की रुचि

पुनीत वाधवा
नई दिल्ली, 20 मार्च

बोफा सिक्योरिटीज (बोफा) के एक सर्वे में कहा गया है कि शेयर पुनर्खरीद, लाभांश या विलय एवं अधिग्रहणों (एमएंडए) के जरिये शेयरधारकों को नकदी लौटाने को प्राथमिकता देने वाली कंपनियों के प्रति निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। यह जुलाई 2015 के बाद से सबसे तेजी से बढ़ी है। करीब 30 प्रतिशत प्रतिभागियों का कहना है कि वे चाहते हैं कि कंपनियां ऐसा करती रहें।

बोफा ने कहा कि मार्च में हुए फंड मैनेजर सर्वे (एफएमएस) में 572 अरब डॉलर की एयूम वाले 226 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जहां 527 अरब डॉलर एयूम ये जुड़े 198 प्रतिभागियों ने ग्लोबल एफएमएस के सवालों का जवाब दिया, वहीं 256 अरब डॉलर एयूम वाले 119 प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय सवालों में हिस्सा लिया। बोफा ने कहा, ‘बड़ी तेजी ने निवेशकों के इक्विटी आवंटन को शुद्ध 28 प्रतिशत ओवरवेट (फरवरी 2022 के बाद से सर्वाधिक) पर पहुंचा दिया जबकि नकदी में शुद्ध निवेश मामूली घटकर 5 प्रतिशत ओवरवेट (पिछले 6 प्रतिशत ओवरवेट से कम) पर ला दिया। कुल मिलाकर, निवेशक नवंबर 2021 से नकदी के मुकाबले इ क्विटी पर ज्यादा ओवरवेट हैं।’

निवेशकों ने मार्च में अप्रैल 2017 के बाद से सबसे तेज गति से उभरते बाजार के शेयरों में निवेश किया, और जून 2020 के बाद से सबसे



तेज गति से युरोजोन के शेयरों में निवेश किया। फंड प्रबंधकों के बीच वैश्विक वृद्धि की उम्मीद दो वष की ऊंचाई पर रही। जोखिम उठाने की क्षमता नवंबर 2021 के बाद से सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर दर्ज की गई।

बोफा सिक्योरिटीज में मुख्य निवेश रणनीतिकार माइकल हर्टनेट ने इलियास गेलोउ, अन्या शेलेखिन और म्यूंग-जी जुंग के साथ मिलकर तैयार सर्वे की निष्कर्ष रिपोर्ट में कहा है, ‘अमेरिका के खर्च की वजह से वित्तीय क्षेत्र में बदलाव देखा गया, जोखिम सहन करने की क्षमता को कम लाभांश वाले शेयरों के लिए प्राथमिकता के माध्यम से भी व्यक्त किया गया था, जो दिसंबर 2021 के बाद से उच्चतम स्तर पर थी। दो-तिहाई प्रतिभागियों ने कहा कि अगले 12 महीनों में मंदी की आशंका नहीं है।’

बोफा के सर्वे में शामिल करीब 40 प्रतिशत

बोफा के सर्वे में हुआ खुलासा

■ निवेशकों ने मार्च में उभरते बाजारों की इक्विटी में अप्रैल 2017 के बाद से सबसे तेज गति से निवेश किया

■ जोखिम सहन की क्षमता भी नवंबर 2021 के बाद से सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर दर्ज की गई

प्रतिभागियों (दिसंबर 2023 में 62 प्रतिशत) का अब मानना है कि दुनियाभर में बॉन्ड प्रतिलफ अगले 12 महीने में नरम पड़ेगा। 32 प्रतिशत फंड प्रबंधकों ने मुद्राप्रफोति को बाजारों के लिए सबसे बड़े जोखिम के तौर पर माना।

बोफा के निष्कर्ष में कहा गया है कि ‘मैन्नीफिसेट 7’ (एनवीडिया, ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, एमेज़ॉन, अल्फाबेट-गूगल, मेटा प्लेटफॉर्म्स और टेस्ला) के शेयर 58 प्रतिशत फंड प्रबंधकों के पसंदीदा रहे। इसके बाद चीन (14 प्रतिशत), लॉनग जापान इक्विटी (13 प्रतिशत) और लॉनग बिटकॉइन (10 प्रतिशत) का स्थान रहा। सर्वे के अनुसार करीब 45 प्रतिशत वैश्विक फंड प्रबंधकों का मानना है कि एआई-आधारित शेयर बुलबुले जैसी स्थिति में नहीं हैं जबकि 40 प्रतिशत प्रबंधक इसके ठीक विपरीत सोचते हैं।

<p>THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA</p> <p>INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE MAIN BOARD OF THE STOCK EXCHANGES IN COMPLIANCE WITH CHAPTER II OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL DISCLOSURES REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED.</p> <p>THIS ADVERTISEMET IS MADE FOR RESUBMISSION OF DRAFT OFFER DOCUMENT PURSUANT TO SEBI CIRCULAR SEBI/HO/CFD/PoD-1/P/CIR/2024/009 DATED FEBRUARY 06, 2024.</p>	<p>PUBLIC ANNOUNCEMENT</p> <p>STALLION</p> <p>STALLION INDIA FLUOROCHEMICALS LIMITED</p> <p>Our Company was incorporated as Stallion India Fluorochemicals Private Limited, a private limited company, at Mumbai under the Companies Act, 1956 on September 05, 2002, and was granted the certificate of incorporation by the RoC. Subsequently, the name of the Company was changed to Stallion India Fluorochemicals Limited pursuant to a special resolution passed by the shareholders of the Company on August 07, 2023, and a fresh certificate of incorporation dated October 05, 2023 was issued by the RoC consequent upon change of name upon conversion into a public limited company under the Companies Act, 2013. For further information, please refer chapter “History and Certain Other Corporate Matters” on page 166 of the Draft Red Herring Prospectus.</p> <p>Registered and Corporate Office: 2, A Wing, Knox Plaza, Off. Link Road, Mindspace, Malad - (West), Mumbai – 400064;</p> <p>Tel. No: 022-43511000; E-mail: compliance@stallion.in; Website: www.stallionfluorochemicals.com;</p> <p>Contact Person: Sarita Khamwani, Company Secretary and Compliance Officer Corporate Identity Number: U51410MH2002PLC137076</p>
<p>PROMOTERS OF THE COMPANY:</p> <p>SHAZAD SHERIAR RUSTOMJI, MANIHA SHAZAD RUSTOMJI & ROHAN SHAZAD RUSTOMJI</p>	<p>INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 2,21,61,396 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH (“EQUITY SHARES”) OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE) (“OFFER PRICE”) AGGREGATING UP TO ₹ [•] LAKHS (THE “OFFER”) COMPRISING A FRESH ISSUE OF UP TO 1,78,58,740 EQUITY SHARES AGGREGATING UP TO ₹ [•] LAKHS BY OUR COMPANY (THE “FRESH ISSUE”) AND AN OFFER FOR SALE OF UP TO 43,02,656 EQUITY SHARES AGGREGATING UP TO ₹ [•] LAKHS BY SHAZAD SHERIAR RUSTOMJI, (THE “PROMOTER SELLING SHAREHOLDER”) (THE “OFFER FOR SALE”). THE OFFER WOULD CONSTITUTE 27.94 % OF THE POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.</p> <p>In case of any revision to the Price Band, the Bid/Offer Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company and the promoter Selling Shareholder may, in consultation with the BRLM, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid / Offer Period for a minimum of one Working Days, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/Offer Period, if applicable, will be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a public notice, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLM and at the terminals of the Syndicate Member(s) and by intimation to the Designated Intermediaries and the Sponsor Banks, as applicable.</p> <p>This is an Offer in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended (“SCRR”), read with Regulation 31 of the SEBI ICDR Regulations. The Offer is being made through the Book Building Process in terms of Regulation 6(1) of the SEBI ICDR Regulations, wherein not more than 50% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers (“QIBs and such portion, the “QIB Portion”), provided that our Company and the Promoter Selling Shareholder, in consultation with the BRLM, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis (‘Anchor Investor Portion”), out of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds only, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the price at which allocation is made to Anchor Investors (‘Anchor Investor Allocation Price”), in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of under-subscription, or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) (‘Net QIB Portion”). Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Offer shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders of which one-third portion shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders with a Bid size of more than ₹2 lakhs and up to ₹10 lakhs and two-third portion shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders with a Bid size of more than ₹10 lakhs, provided that unsubscribed portion in either of such sub-categories may be allocated to applicants in the other sub-category of Non-Institutional Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations and not less than 35% of the Offer shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price all potential Bidders (except Anchor Investors) are mandatorily required to utilize the Application Supported by Blocked Amount (“ASBA”) process by providing details of their respective ASBA accounts and UPI ID in case of UPI Bidders using the UPI Mechanism, as applicable, pursuant to which their corresponding Bid Amount will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks (“SCSBs”) or by the Sponsor Banks under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of the respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Offer through the ASBA Process. For further details, see “Offer Procedure” on page 312.</p> <p>This public announcement is being made in compliance with the provisions of regulation 26(2) of the SEBI ICDR Regulations to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory and requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated March 20, 2024 with the Securities and Exchange Board of India (“SEBI”) on March 20, 2024. Further, This Draft Offer Document is resubmitted to SEBI for its observations pursuant to SEBI Circular SEBI/HO/CFD/PoD-1/P/CIR/2024/009 dated February 06, 2024. The Initial Draft Offer Document was filed on December 18, 2023 which was returned by SEBI vide its letter dated January 19, 2024.</p> <p>Pursuant to Regulation 26(1) of SEBI ICDR Regulations, the DRHP filed with SEBI shall be made public for comments, if any, for a period of at least 21 (twenty one) days from the date of such filing, by hosting it on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, the BRLM at www.sarthi.in, our Company at www.stallionfluorochemicals.com, and the Stock Exchanges where the Equity Shares are proposed to be listed, i.e. BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com. Our Company hereby invites the public to give their comments on the DRHP filed with SEBI in respect of disclosures made in the DRHP. The public is requested to send a copy of the comments sent to SEBI, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company and the BRLM at their respective addresses mentioned herein. All comments must be received by our Company or the BRLM in relation to the Offer on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforementioned date of filing of the DRHP with SEBI.</p> <p>Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Offer unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Offer. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Offer, including the risks involved. The Equity Shares in the Offer have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India (“SEBI”), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of this Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to “Risk Factors” on page 27.</p> <p>Any decision to invest in the equity shares described in the DRHP may be made after a Red Herring Prospectus (“RHP”) has been registered with the RoC and must be made solely on the basis of such RHP as there may be material changes in the RHP from the DRHP. The Equity shares, when offered through the RHP, are proposed to be listed on Stock Exchanges.</p> <p>The liability of the members of our Company is limited by shares. For details of the main objects of our Company as contained in the Memorandum of Association, please see “History and Certain Corporate Matters” beginning on page 166 of the DRHP. For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories of the Memorandum of Association and the number of shares of our Company subscribed by them, please see “Capital Structure” beginning on page 67 of the DRHP.</p>
<p>BOOK RUNNING LEAD MANAGER</p> <p> Sarathi Capital Advisors Private Limited</p> <p>CIN: U65190DL2012PTC238100</p> <p>401, 4th Floor, Manek Plaza, 167, Vidyanagari Marg, Kalina, Santacruz (E), Mumbai – 400 098</p> <p>Tel No.: +91 22 2652 8671/ 72</p> <p>Email Id: compliance@sarthiwm.in</p> <p>Website: www.sarthi.in</p> <p>Contact Person: Mr. Taher Engineer</p> <p>SEBI Registration No.: INM000012011</p>	<p>REGISTRAR TO THE OFFER</p> <p> Bigshare Services Private Limited</p> <p>CIN: U99999MH1994PTC076534</p> <p>Office No S6-2, 6th Floor, Pinnacle Business Park, Next to Ahura Centre, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Mumbai – 400093</p> <p>Tel. No.: +91 22 6263 8200; Email: ipo@bigshareonline.com</p> <p>Investor Grievance E-Mail: investor@bigshareonline.com</p> <p>Contact Person: Mr. Jibu John</p> <p>SEBI Registration No.: INR000001385</p> <p>Website: www.bigshareonline.com</p>
<p>All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the DRHP</p>	
<p>For Stallion India Fluorochemicals Limited On behalf of Board of Directors Sd/-</p> <p>Sarita Khamwani Company Secretary and Compliance Officer</p>	
<p>Place: Mumbai Date: March 20, 2024</p> <p>Stallion India Fluorochemicals Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory and requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated March 20, 2024 with SEBI on March 20, 2024. The DRHP shall be available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com, BSE at www.bseindia.com and the website of the BRLM at www.sarthi.in and our Company at www.stallionfluorochemicals.com. Any potential investor should note that the investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to risk, please see to the section titled “Risk Factors” of the RHP, when filed. Potential investors should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decisions. Specific attention of the Investors is invited to “Risk Factors” beginning on page 27 of the DRHP.</p> <p><i>The Equity Shares offered have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act, 1933, as amended (“U.S. Securities Act”) or any other applicable laws in the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity shares are being offered and sold outside the United States in offshore transactions as defined in and in reliance on regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where those offers and sales are made. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be issued or sold, and Bids may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.</i></p> <p style="text-align: right;"><i>Subject Comm.</i></p>	